महत्वपूर्ण एवं खास

प्रयागराज कुंभ सड़क हादसे के मृतकों को उद्योग मंत्री देवांगन ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। प्रयागराज कुंभ स्नान के लिए जा रहे कोरबा जिले के दर्री क्षेत्र के कलमीडुग्गु और प्रगतिनगर के 10 लोगों की एक भीषण सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। रविवार देर रात सभी मृतकों के पार्थिव शरीर को कोरबा लाया गया, जिसके बाद सोमवार सुबह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने शोक संतप्त परिवारों के निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों को ढांढस बंधाया। मंत्री देवांगन ने अपने स्वेच्छानुदान मद से प्रत्येक मृतक के परिवार को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह एक हृदयविदारक घटना है और राज्य सरकार प्रभावित परिवारों की हरसंभव सहायता करेगी। मीडिया से चर्चा के दौरान मंत्री देवांगन ने कहा कि शोकाकुल परिवारों की मदद के लिए सभी जरूरी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि पीड़ित परिवारों को आवश्यक सहयोग दिया जाए। मंत्री देवांगन ने कहा कि जिला प्रशासन एवं सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

सुने मकान में चोरी करने वाले दो चोर गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। मिली जानकारी के अनुसार राजधानी रायपुर के आवासीय कॉलोनियों एवं सूने मकानों में चोरी की घटनाओं को पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा गम्भीरता से लेते हुए चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने व अज्ञात आरोपियों की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम डी.आर.पोर्ते एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम संदीप मित्तल के नेतृत्व में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की विशेष टीम का गठन किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा चोरी के घटना स्थलों का निरीक्षण कर प्रार्थियों से विस्तृत पूछताछ करते हुए आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा आरोपियों की पतासाजी हेतु रात्रि में गश्त करने के साथ-साथ सभी घटनास्थलों के सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही आरोपियों की पतासाजी हेतु प्रकरण में मुखबीर भी लगाये गये।अज्ञात आरोपियों की पतासाजी के संबंध में तकनीकी विश्लेषण करने के साथ ही हाल ही में जेल से रिहा हुये चोरी के आरोपियों के संबंध में भी जानकारी एकत्र की जा रहीं थी। चोरी के पुराने आरोपियों के संबंध में जानकारी एकत्र कर उनकी गतिविधियों पर निगाह रखकर अज्ञात आरोपी को चिन्हांकित करने के प्रयास किये जा रहे थे।

इसी दौरान शातिर नकबजन डी.डी.नगर रायपुर निवासी रितिक वर्मा, जो पूर्व में चोरी/नकबजनी के कई मामलों में जेल निरूद्ध रह चुका है, की तस्दीक करने पर जानकारी प्राप्त हुई कि वह विगत कुछ दिनों से अपने पास बहुत अधिक मात्रा में नगदी रकम रखता है तथा खर्च करता है। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा उस पर लगातार नजर रखने पर उसकी गतिविधियां संदिग्ध पायी गयी, इसके साथ ही टीम के सदस्यों द्वारा उसके संबंध में जानकारियां जुटाने पर यह ज्ञात हुआ कि जहां – जहां चोरी की घटना घटित हुई थी, उन घटना स्थलों के आसपास रितिक वर्मा उपस्थित रहता था, कि रितिक वर्मा पर फोकस करते हुये घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने पर रितिक वर्मा को एक अन्य व्यक्ति के साथ देखा गया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा रितिक वर्मा की पतासाजी कर उसे पकड़ा गया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की सोने के जेवरात 33 ग्राम, चांदी के जेवरात 329 ग्राम तथा 01 नग पल्सर मोटर सायकल जुमला कीमती लगभग 5,50,000 रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।
आरोपियों द्वारा चोरी की घटनाओं को अंजाम देने हेतु थाना पुरानी बस्ती क्षेत्र से एक पल्सर मोटर सायकल चोरी किया गया था। जिसमें घुम – घुम कर आरोपियों द्वारा चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया है।

नक्सल प्रभावित इलाकों में रोशनी की नई किरण, विद्युत सुविधाओं के विस्तार को मिली रफ्तार - मुख्यमंत्री साय

सौर ऊर्जा को बढ़ावा, तकनीकी नवाचार से बिजली बचत: मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में ऊर्जा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक में प्रदेश में निरंतर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, सौर ऊर्जा (Solar Energy) को बढ़ावा देने और नवीन तकनीकों के माध्यम से बिजली व्यय को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देकर, नवीनतम तकनीकों का उपयोग कर और उपभोक्ताओं को अधिक सुविधाएं देकर हम राज्य को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाएंगे। साथ ही, ग्रामीण व शहरी विद्युतीकरण के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाते हुए हर घर तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य पूरा करेंगे।

नक्सल प्रभावित इलाकों में विद्युतीकरण को मिली नई गति

मुख्यमंत्री साय ने नियद नेल्लानार योजना के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हुए व्यापक विद्युतीकरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित सभी गाँवों को विद्युत सुविधा से जोड़ना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इससे ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करने और उनके जीवन स्तर को सुधारने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत सुविधाओं से वंचित शेष क्षेत्रों को जल्द से जल्द रोशन किया जाए।

उपभोक्ताओं को बिजली बिल भुगतान में राहत, ऑनलाइन भुगतान को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री साय ने बिजली बिल के बकाया भुगतान को लेकर उपभोक्ताओं को विशेष राहत देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिजली बिल का समय पर भुगतान न होने से सरकार को राजस्व हानि होती है, वहीं उपभोक्ताओं को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसलिए बकाया बिल के एकमुश्त भुगतान की विशेष सुविधा दी जानी चाहिए, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिले और सरकार के राजस्व में भी वृद्धि हो।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं को मोबाइल मैसेज और लिंक के माध्यम से उनके बिजली बिल की जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे आसानी से ऑनलाइन भुगतान कर सकें।

ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को मिलेगा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री साय ने ग्रामीण और शहरी विद्युतीकरण से जुड़ी राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग से न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भी अधिक सुविधाएं मिलेंगी।

मुख्यमंत्री साय ने बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारने, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन लॉस (T&D Loss) को कम करने, तथा तकनीकी और वाणिज्यिक हानियों को रोकने के लिए ठोस रणनीति विकसित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री साय ने सौर ऊर्जा के उपयोग को अधिकतम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, जिसे घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक स्तर पर अपनाने के लिए नई योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू की जानी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में सौर ऊर्जा परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाए और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़कर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा जाए।

बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्य में त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन: नक्सलवाद पर लोकतंत्र की ऐतिहासिक जीत, दशकों बाद बस्तर के गांवों में गूंजेगा लोकतंत्र का स्वर

रायपुर

छत्तीसगढ़ में त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के प्रथम चरण में लोकतंत्र ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। बस्तर संभाग, जो दशकों तक नक्सलवाद के साए में रहा, अब लोकतंत्र के उजाले की ओर बढ़ रहा है। सुकमा और बीजापुर जिले के अनेक मतदान केंद्रों पर पहली बार अनेक दशकों के बाद ग्रामीण पंचायत चुनाव में मतदान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर में जनता ने विकास का मार्ग चुना है और हिंसा को बाहर का रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन राज्य और केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, सतत विकास कार्यों और सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था का परिणाम है। यह केवल एक चुनाव नहीं, बल्कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लोकतंत्र के प्रति बढ़ते विश्वास और भयमुक्त समाज की दिशा में बढ़ते कदमों का प्रमाण है।

बस्तर में पंचायत चुनावों का नक्सलियों द्वारा कोई विरोध नहीं किया जाना क्षेत्र में 40 से अधिक नवीन सुरक्षा कैंपों की स्थापना और सरकार द्वारा ग्रामीणों में विश्वास बहाल करने की रणनीति का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि बस्तर में नक्सली कमांडर हिड़मा के गांव पूवर्ती में भी इस बार ग्रामीण मतदान के लिए उत्साहित हैं। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत को दर्शाता है।

राज्य में मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, दंतेवाड़ा और गरियाबंद जिलों में भी मतदान को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। बीजापुर के पुसनार, गंगालूर, चेरपाल, रेड्डी, पालनार जैसे क्षेत्रों में ग्रामीणों ने निर्भीक होकर मतदान किया।

बस्तर में लोकतंत्र की मजबूत जड़ें, नक्सलवाद के अंत की ओर ऐतिहासिक कदम- मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे की प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प के अनुरूप मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्य सरकार बस्तर के नागरिकों को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने के लिए संकल्पित है। बस्तर में सड़कें, पुल, स्कूल, अस्पताल और रोजगार परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे ग्रामीणों का शासन और लोकतंत्र पर विश्वास बढ़ा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कहा कि बस्तर में गनतंत्र के ऊपर गणतंत्र की विजय हो रही है। यह उन सभी ग्रामीणों की जीत है, जिन्होंने भय को त्यागकर लोकतंत्र को अपनाया। यह सुरक्षाबलों के परिश्रम, सरकार की दूरदृष्टि और जनभागीदारी का प्रतिफल है।

लोकतंत्र की इस जीत में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी मतदान प्रक्रिया का सफल और शांतिपूर्ण आयोजन यह साबित करता है कि लोकतंत्र के प्रति आमजन की आस्था दिनों-दिन मजबूत हो रही है।

सीटी सर्वे अम्बिकापुर हेतु नक्शा प्रोजेक्ट का शुभारंभ

अम्बिकापुर (आरएनएस)। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग द्वारा राष्ट्रीय भू-स्थानिक ज्ञान आधारित शहरी आवासों के भूमि सर्वेक्षण नक्शा के पायलट प्रोजेक्ट के तहत अम्बिकापुर को शामिल किया गया है। इसी कड़ी में सीटी सर्वे अम्बिकापुर हेतु नक्शा प्रोजेक्ट का शुभारंभ 18 फरवरी 2025 को सुबह 11:00 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष अम्बिकापुर में किया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा सांसद चिंतामणी महराज उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रबोध मिंज,विधायक लुंण्ड्रा, रामकुमार टोप्पो, विधायक सीतापुर, मंजूषा भगत, महापौर, नगर पालिक निगम अम्बिकापुर और विश्व विजय सिंह तोमर, अध्यक्ष, राज्य युवा आयोग छत्तीसगढ़ उपस्थित रहेंगे।

इस प्रोजेक्ट के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में भूमि संसाधनों के सटीक मानचित्रण और प्रबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से अम्बिकापुर के शहरी आवासों और भूमि उपयोग का डिजिटल नक्शा तैयार किया जाएगा, जिससे आमजनों के लिए भविष्य में शहरी विकास योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर मुख्यमंत्री साय ने किया नमन

रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी की 18 फरवरी को जयंती पर उन्हें सादर नमन किया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के दैदीप्यमान प्रकाश स्तंभ थे। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से भक्ति, प्रेम, त्याग और मानवता के उच्च आदर्शों को चरितार्थ किया। वे मानते थे कि सभी धर्मों का सार प्रेम, न्याय और परोपकार में निहित है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी ने तपस्या, सत्संग, स्वाध्याय और साधना को जीवन का अभिन्न अंग मानते हुए आध्यात्मिक जागरण पर बल दिया। उनके विचारों से प्रेरित होकर स्वामी विवेकानंद ने संपूर्ण विश्व को भारतीय संस्कृति के आध्यात्मिक जीवनमूल्यों का परिचय कराते हुए मानव सेवा का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी मानवता के सच्चे उपासक थे। उनका जीवन, त्याग और आध्यात्मिक दर्शन संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मुख्यमंत्री साय ने आह्वान किया कि हम सभी स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी के आदर्शों को आत्मसात कर मानवता की सेवा में अपना बहुमूल्य योगदान दें, जिससे समाज में प्रेम, शांति और सद्भावना का विस्तार हो और हर व्यक्ति परस्पर सम्मान, करुणा और सहयोग की भावना से प्रेरित होकर एक समरस और सौहार्दपूर्ण समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सके।

सिलाई सेंटर कुटेश्वर माइंस में प्रशिक्षुओं को किया प्रशिक्षण प्रमाण पत्र का वितरण

भिलाई । आरएनएस

भिलाई इस्पात संयंत्र का सीएसआर विभाग अपने सभी माइंस के आसपास परिधि क्षेत्रों के विकास को लेकर विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन करता रहा है। इसी कड़ी में भारत सरकार के कौशल भारत कार्यक्रम के अंतर्गत, कटनी के गैर सरकारी संगठन जन शिक्षण संस्थान द्वारा, भिलाई इस्पात संयंत्र के कुटेश्वर माइंस स्थित सिलाई सेंटर में 16 फरवरी 2025 को प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुटेश्वर माइंस के महाप्रबंधक (मैकेनिकल) वी के नेताम ने की।

समारोह में निर्मला नेताम और कुटेश्वर महिला समिति की अन्य पदाधिकारियों ने प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किया। इस अवसर पर 45 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और प्रमाण पत्र प्राप्त किए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को महिला समिति कुटेश्वर माइंस द्वारा सिलाई सेंटर मे संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में महिला समिति की पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

इस वर्ष से, प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्यूटीशियन का अतिरिक्त कोर्स भी शामिल किया जाएगा। यह नया कोर्स महिलाओं को ब्यूटी और सैलून सेवाओं में कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा, जिससे उन्हें रोजगार के और अधिक अवसर प्राप्त होंगे और वे आत्मनिर्भर बन कर अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर सकेंगी।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी प्रशिक्षुओं और महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया गया और इसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सदस्य, प्रशिक्षक और अन्य लोग भी मौजूद थे। यह कार्यक्रम न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि कुटेश्वर क्षेत्र की विकासशील संभावनाओं को भी उजागर करने का सशक्त उदाहरण है।

यह कार्यक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) गतिविधियों के तहत आयोजित किया गया है। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संयंत्र तथा अपने सभी माइंस के आसपास के स्थानीय समुदायों के उत्थान के लिए कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिसमें महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है। इस सिलाई सेंटर का उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है।

फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाला कंप्यूटर सेंटर का संचालक

रायपुर । आरएनएस

राजधानी रायपुर के टिकरापारा थाना के अपराध क्रमांक-113/2025 भारतीय न्याय संहिता 2023 अधिनियम की धारा 318(4), 338, 340, 111 भारतीय न्याय संहिता एवं भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 की धारा 12(बी) में गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद स्माईल, शेख साजन, शेख अकबर से पूछताछ की गई जिसमें आरोपियों द्वारा बताये की उनके द्वारा पासपोर्ट वीजा, जन्मतिथि बनाने प्रमाण पत्र के लिए फर्जी मार्कशीट बनाने हेतु सत्कार कम्प्यूटर सेंटर कचहरी चौक के संचालक मोहम्मद आरिफ से संपर्क कर फर्जी दस्तावेज तैयार करवाये है की जानकारी होते ही घटना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया गया। प्रकरण को उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद सिंह द्वारा गंभीरता से लिया गया और आरोपियों के बताये हुए जानकारी की तत्काल तस्दीकी कर आवश्यक कार्यवाही करने निर्देशित किया गया। प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम दौलत राम पोर्ते, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मित्तल एण्टी क्राईम एवं सायबर सेल, नगर पुलिस अधीक्षक पुरानीबस्ती राजेश देवांगन, के निर्देशन में थाना प्रभारी टिकरापारा निरीक्षक विनय सिंह बघेल द्वारा थाना एवं एण्टी क्राईम एवं सायबर सेल व एटीएस का संयुक्त टीम तैयार कर प्राप्त जानकारी के तस्दीकी हेतु रवाना किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण को गंभीता से लेते हुए तत्काल घटना स्थल सत्कार कम्प्यूटर सेंटर कचहरी चैक पहुंचकर सेंटर के संचालक मोहआरिफ से पूछताछ कर संचालित पुरानी कम्प्यूटर का प्रारंभिक जांच किया गया जिसमें मोहम्मद आरिफ द्वारा कई लोगो के वोटर आईडी कार्ड, अंकसूची, फोटो आईडी, हस्ताक्षर, अंगूठे का निशान से संबधित कम्प्यूटर में कूटरचित करना पाया गया जिस पर सत्कार कम्प्यूटर सेंटर संचालक आरोपी मोहम्मद आरिफ पिता मोहम्मद सम्मी उम्र 50 साल निवासी फुल चैक नयापारा गोलबाजार रायपुर के विरूद्ध अपराध क्रमांक 140/25 धारा 336(3), 337, 338, 340(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

दुर्गडोंगरी मंदिर है आस्था और विश्वास का केन्द्र : प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की दृष्टि से अद्भूत स्थान

रायपुर

छत्तीसगढ़ का बालोद जिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए जाना जाता है। इसी कड़ी में एक अद्भुत स्थान है दुर्गडोंगरी किल्लेवाली मंदिर, जो प्रकृति प्रेमियों और रोमांच पसंद करने वालों के लिए बेहद खास है। यह स्थान न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि अपने सुरम्य वातावरण और रोमांचकारी सफर के कारण भी पर्यटकों को आकर्षित करता है।

बालोद जिले के डौंडी विकासखंड के ग्राम कोटागांव के समीप स्थित यह स्थल हरे-भरे वनों के बीच ऊँचाई पर बसा हुआ है। यहाँ की प्राकृतिक छटा बहुत मनमोहक है। खासकर सूर्योदय और सूर्यास्त के समय का नज़ारा अत्यंत मनोहारी होता है, जो मन को शांति और ऊर्जा से भर देता है। आसपास फैले घने जंगल, बोईरडीह जलाशय का अद्भुत दृश्य और दूर तक फैली दल्लीराजहरा एवं महामाया की पहाड़ियाँ इस जगह की सुंदरता को और भी बढ़ा देती हैं। बारिश के मौसम में यहाँ की हरियाली अद्वितीय होती है, जिससे यह स्थान और अधिक आकर्षक हो जाता है।

दुर्गडोंगरी किल्लेवाली मंदिर तक पहुँचने का सफर अपने आप में एक रोमांचक अनुभव है। दल्लीराजहरा से महामाया रोड होते हुए लगभग 10 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद इस स्थल का प्रवेश द्वार मिलता है। यहाँ तक वाहनों के लिए सीसी सड़क बनी हुई है, जो ऊँचाई तक जाती है। इसके बाद एक वाहन पार्किंग क्षेत्र है, जहाँ से पैदल यात्रा प्रारंभ होती है। मंदिर तक पहुँचने के लिए सीढ़ियों और कच्चे पगडंडी मार्ग से होकर जाना पड़ता है। यह सफर थकावट भरा जरूर होता है, लेकिन जैसे-जैसे ऊपर बढ़ते हैं, प्रकृति के अनुपम दृश्य हर थकान को दूर कर देती है। मंदिर तक पहुँचने के बाद ऊँचाई से दिखने वाला मनोरम नज़ारा इस यात्रा को अविस्मरणीय बना देता है। इस स्थान को दुर्गडोंगरी कहा जाता है, जिसका शाब्दिक अर्थ पर्वत पर स्थित किला होता है। माना जाता है कि यहाँ कभी एक किला था, जिसके अब केवल अवशेष ही बचे हैं। किले के अवशेषों के साथ ही यहाँ स्थित किल्लेवाली माता का मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। हर मौसम में यहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु माँ किल्लेवाली के दर्शन करने आते हैं।

दुर्गडोंगरी किल्लेवाली मंदिर केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि एडवेंचर प्रेमियों के लिए भी एक बेहतरीन पर्यटन स्थल है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ों की ऊँचाई, जलाशय का मनमोहक दृश्य और रोमांचक चढ़ाई इसे एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं। प्रकृति की गोद में बसा यह स्थल निश्चित रूप से यहां आने वाले लोगों को एक अद्भुत अनुभव प्रदान करता है।